भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 4163
बुधवार, 18 मार्च 2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

मत्स्य-6000

†**4163.** **श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे:**
श्रीमती संजना जाटव:
श्री चव्हाण रविन्द्र वसंतराव:
श्री सुधीर गुप्ता:
श्री प्रताप चंद्र षडङ्गी:

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या स्वदेशी मानव पनडुब्बी मत्स्य-6000 की मई 2026 के लिए सुनियोजित 500 मीटर उथले पानी में गोताखोरी के लिए इसकी तैयारियाँ समय पर चल रही हैं, और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) 2025 में 5,270 मीटर की गहराई पर गहरे समुद्र में खनन प्रणाली के सफल परीक्षण का वाणिज्यिक खनिज निष्कर्षण की वर्तमान रूपरेखा पर क्या प्रभाव पड़ेगा;

(ग) क्या सरकार ने ''ब्लू इकोनॉमी'' संसाधनों के सतत विकास में निजी क्षेत्र की सहभागिता के लिए कोई तंत्र स्थापित किया है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) मत्स्य -6000 को सफलतापूर्वक डिजाइन और पूरा किया गया है, जिसने जनवरी-फरवरी 2025 में कार्यक्षमता (प्लवन, वाहन स्थिरता, गतिशीलता, शक्ति, संचार और नियंत्रण उपकरणों सहित) और मानव समर्थन और सुरक्षा प्रणालियों का प्रदर्शन करते हुए वेट / बंदरगाह परीक्षण पूरे किए है। 500 मीटर शैलो वॉटर डाइव के लिए कई घटकों की अनुभूति और एकीकरण की आवश्यकता होती है, जिसमें एक महत्वपूर्ण घटक: कस्टम-डिज़ाइन सिंटैक्टिक फोम है। इस फोम को भारत द्वारा डिज़ाइन किया जा रहा है और यूरोप में एक निर्दिष्ट फर्म द्वारा विकसित किया जा रहा है। दुर्भाग्य से, कुछ विनिर्माण संबंधी खराबी के कारण यह अभी तक तैयार नहीं है। इसके मई के अंत तक भारत पहुंचने की उम्मीद है। इस सामग्री के एकीकरण और परीक्षण के बाद, अंतिम तिमाही में शैलो वॉटर डाइव निष्पादित होने वाला है।

(ख) पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने चेन्नई में राष्ट्रीय समुद्र प्रौद्योगिकी संस्थान के माध्यम से पॉलीमेटेलिक नोड्यूल्स को इकट्ठा करने और क्रश करने के लिए एक समुद्र तल खनन प्रणाली विकसित की है। इस प्रणाली के लिए गतिशीलता और प्रणाली को सशक्त बनाने संबंधी परीक्षण 2021 में मध्य हिंद महासागर में 5,270 मीटर की गहराई पर संचालित किए गए थे। इसलिए, 2025 में 5,270 मीटर पर कोई भी गहन समुद्र खनन प्रणाली परीक्षण नहीं किया गया है। इसके अलावा, वाणिज्यिक खनन का कार्य इस हेतु अधिदेश के साथ एक्सप्लॉइटेशन कोड द्वारा किया जाता है, जिसे अभी तक अंतर्राष्ट्रीय समुद्र तल प्राधिकरण द्वारा विकसित नहीं किया गया है।

(ग) और (घ) मंत्रालय "ब्लू इकोनॉमी" संसाधनों के सतत विकास में निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा देने में सक्रिय रूप से लगा हुआ है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, मंत्रालय विभिन्न रीतियों का उपयोग करता है, जिनमें से एक निविदा करना है।

******